RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : बुधवार 02 अगस्त 2023 वर्ष 05 अंक 99 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 8 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
# रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

## बीजेपी और महाराष्ट्र सरकार पर उद्धव गुट ने साधा निशाना कहा संभाजी भिड़े को दे रहे बढ़ावा

**मुंबई:**शिवसेना नेता अंबादास दानवे ने बीजेपी और महाराष्ट्र सरकार पर आरोप लगाया कि वे संभाजी भिड़े का बचाव करते हुए उन्हें बढ़ावा दे रहे हैं. राष्ट्रपति महात्मा गांधी को लेकर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के लिए भिड़े के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है.

# PM मोदी के पुरस्कार समारोह से अलग रहकर शंकाओं को दूर कर सकते थे शरद पवार: शिवसेना

**मुंबई:**शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे ने मंगलवार को कहा कि पुणे में लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ मंच साझा करने वाले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार इस कार्यक्रम में शामिल ना होकर उन लोगों की शंकाओं को दूर कर सकते थे, जिन्हें उनका इस समारोह में शामिल होना पसंद नहीं आया। शिवसेना के मुखपत्र 'सामनामें प्रकाशित एक संपादकीय में दावा किया गया कि प्रधानमंत्री मोदी ने राकांपा पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे और इसके बाद उन्होंने उस पार्टी को तोड़ दिया एवं महाराष्ट्र की राजनीति को दलदल बना दिया। पुरस्कार समारोह से पहले प्रकाशित मराठी समाचार पत्र में कहा गया, ''इसके बावजूद शरद पवार मोदी का स्वागत करेंगे और यह बात कुछ लोगों को अच्छी नहीं लगी। यह पवार के लिए इस कार्यक्रम में अनुपस्थित रहकर लोगों के मन में उन्हें लेकर पैदा हो रही शंकाओं को दूर करने का अवसर था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखने और लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार स्वीकार करने के लिए मंगलवार को महाराष्ट्र के पुणे शहर के दौरे पर हैं। लोकमान्य तिलक की

विरासत का सम्मान करने के लिए 1983 में तिलक स्मारक मंदिर ट्रस्ट ने इस पुरस्कार की शुरूआत की थी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार पिछले महीने राकांपा से अलग होने के बाद पार्टी के आठ अन्य विधायकों के साथ महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की सरकार में शामिल हो गए थे। संपादकीय में कहा गया है कि यदि शरद पवार राकांपा में फूट डालने का विरोध करते हुए समारोह में शामिल नहीं होते, तो उनके नेतृत्व एवं साहस की प्रशंसा की जाती। इसमें कहा गया है कि देश ''तानाशाही'' के खिलाफ लड़ रहा है और इस मकसद के लिए 26 विपक्षी दलों का गठबंधन 'इंडिया बनाया गया है। इसमें दावा किया गया कि शरद पवार इस गठबंधन के ''महत्वपूर्ण सेनापति'' हैं।

पार्टी ने कहा कि शरद पवार जैसे वरिष्ठ नेता से लोगों को अलग अपेक्षाएं हैं। उसने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी मणिपुर हिंसा पर बात करने के लिए तैयार नहीं है। इसमें कहा गया कि देश के नेता का इस मामले पर नहीं बोलना राष्ट्रहित में नहीं है।

# पीएम मोदी ने किया पुणे मेट्रो फेज 1 का उद्घाटन

## सीएम और डिप्टी सीएम फडणवीस रहे मौजूद

**मुंबई:** महाराष्ट्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुणे मेट्रो फेज 1 में विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

के दो गलियारों के पूर्ण खंडों पर सेवाओं के उद्घाटन के अवसर पर मेट्रो ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके साथ ही पुणे में शिवाजी नगर पुलिस मुख्यालय स्टेशन से सिविल कोर्ट स्टेशन और गरवारे कॉलेज स्टेशन स रूबी हॉल क्लिनिक स्टेशन तक है।

उद्घाटन और शिलान्यास के अवसर पर महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे, डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस सहित अन्य लोग मौजूद रहे। बता दें कि पुणे मेट्रो का ये खंड फुगेवाड़ी सिविल कोर्ट, पुणे नगर निगम कार्यालय, पुणे रेलवे स्टेशन को जोड़ेगा। इसके साथ ही इस मेट्रो परियोजना की खासियत ये है कि पुणे के मेट्रो रूट में कुछ स्टेशनों को शिवाजी महाराज से प्रेरित होकर डिजाइन किया गया है।

शिवाजी नगर भूमिगत मेट्रो स्टेशन को छत्रपति शिवाजी महाराज के निर्मित किलों की तरह तैयार किया गया है। इसके साथ ही सिविल कोर्ट मेट्रो स्टेशन देश के सबसे गहरे मेट्रो स्टेशन 33.1 मीटर गहरे बिंदु में से एक है।

पीएम मोदी ने साल 2016 में इस परियोजना का आधारशिला रखी थी। नए खंड पुणे शहर के प्रमुख जगहों जैसे शिवाजी नगर,

## ठाणे हादसे में श्रमिकों की मौत पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने व्यक्त किया दुख

**नई दिल्ली :** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महाराष्ट्र में समृद्धि एक्सप्रेसवे निर्माण के दौरान पुल के स्लैब पर क्रेन गिरने से हुई श्रमिकों की मौत पर मंगलवार को शोक व्यक्त किया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ्य होने की कामना की। राष्ट्रपति भवन ने मुर्मू के हवाले से ट्वीट किया, ''महाराष्ट्र के ठाणे जिले में हुए हादसे में कई लोगों के निधन के समाचार से मुझे गहरा दुख हुआ है।

शोकसंतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहन संवेदनाएं। उन्होंने कहा, ''मैं घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।महाराष्ट्र के ठाणे जिले में समृद्धि एक्सप्रेसवे निर्माण के तीसरे चरण के दौरान एक क्रेन के मंगलवार को पुल के एक स्लैब (पट्टी) पर गिर जाने से 17 श्रमिकों की मौत हो गई और तीन अन्य लोग घायल हो गए। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में हुए हादसे में कई लोगों के निधन के समाचार से मुझे गहरा दुख हुआ है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहन संवेदनाएं। मैं घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।

## उल्हासनगर क्राइम ब्रांच ने नेरल-बदलापुर रोड पर पुष्पा फिल्म की स्टाइल में बीस लाख का गांजा के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया

**उल्हासनगर,** क्राइम ब्रांच की टीम ने नेरल-बदलापुर रोड पर पुष्पा फिल्म की स्टाइल में गांजा तस्करी कर रहे दो लोगों को गिरफ्तार किया है. आरोपियों ने इनोवा कार में अलग-अलग जगहों पर गांजा छिपा रखा था. क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त शिवराज पाटिल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि इस कार्रवाई में करीब बीस लाख का कीमती सामान जब्त किया गया है. पुलिस के मुताबिक, क्राइम ब्रांच के शेखर भावेकर और राजेंद्र थोरवे को सूचना मिली कि नेरल-बदलापुर रोड पर कुछ लोग टोयोटा इनोवा में लाखों का गांजा ले जा रहे हैं. तदनुसार, पुलिस टीम ने इलाके में जाल बिछाया। इसी दौरान पुलिस को एक इनोवा कार संदिग्ध तरीके से घूमती हुई मिली। जब उन्होंने तुरंत कार रोकी और कार की जांच की तो कार के विभिन्न हिस्सों से इकसठ किलो गांजा बरामद हुआ। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों रामचन्द्र शामराव शिंदे और विलास सीताराम वाघे को गिरफ्तार कर लिया है. जिस तरह से पुष्पा फिल्म में चंदन की लकड़ी की तस्करी की गई थी, उसी तरह यह खुलासा हुआ है कि ये आरोपी गांजा की भी तस्करी कर रहे हैं. आज हुई इस कार्रवाई के बाद उल्हासनगर क्राइम ब्रांच की टीम की हर तरफ सराहना हो रही है.

## संपादकीय / लेख

### ज्ञानवापी का समाधान,

**फैसल शेख**
(प्रधान संपादक)

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह जो कहा कि ज्ञानवापी मामले में मुस्लिम पक्ष को स्वयं आगे आकर इतिहास में हुई गलती को सुधारने का प्रस्ताव देना चाहिए, वह इस विवाद के समाधान का सही उपाय है। उनकी बात पर मुस्लिम पक्ष को नीर-क्षीर ढंग से विचार करना चाहिए। उसे वैसा रवैया अपनाने से बचना चाहिए, जैसा उसने अयोध्या मामले में अपनाया था। उसने अयोध्या मामले में हठधर्मिता दिखाकर कुछ हासिल नहीं किया। उलटे शांति और सद्भाव से इस विवाद के हल का अवसर गंवा दिया। हालांकि कई मुस्लिम नेता इस मत के थे कि अयोध्या में बाबरी नामक मस्जिद के होने का कोई औचित्य नहीं बनता, लेकिन संकीर्ण राजनीतिक कारणों से उनकी नहीं सुनी गई। यह भी किसी से छिपा नहीं कि तब मुस्लिम पक्ष को अनेक दलों ने भड़काने का भी काम किया। अच्छा हो कि मुस्लिम पक्ष इस बार अयोध्या वाली गलती दोहराने से बचे और सच्चाई को स्वीकार करे। इससे वह समाज में सद्भावना का वातावरण बनाने में सहायक होगा।

यह खेद की बात है कि वह ज्ञानवापी मामले में सच को भी सामने नहीं आने देना चाहता। क्या यह विचित्र नहीं कि उसे ज्ञानवापी परिसर का पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग की ओर से परीक्षण करने पर भी आपत्ति है? आखिर सच को सामने आने से रोकने की कोशिश का क्या मतलब? मुस्लिम पक्ष की यह कोशिश तो यही बताती है कि उसे यह सत्य उजागर होने का भय है कि वाराणसी में मंदिर की जगह वैसे ही मस्जिद बनाई गई, जैसे अयोध्या में बनाई गई थी। किसी के लिए भी समझना कठिन है कि मुस्लिम पक्ष इसके समर्थन में क्यों नहीं कि ज्ञानवापी परिसर का सर्वे पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग करे? इलाहाबाद हाई कोर्ट ने इस मामले में अपना निर्णय सुरक्षित कर लिया है, लेकिन समय की मांग है कि निर्णय जल्द सामने आए। वाराणसी में जिसे ज्ञानवापी मस्जिद कहा जा रहा है, वह मंदिर को ध्वस्त कर बनाई गई, इसके प्रमाण खुली आंखों से दिखते हैं। कोई भी काशी विश्वनाथ मंदिर से सटी मस्जिद को देखकर इसी निष्कर्ष पर पहुंचेगा कि उसे मंदिर की जगह जबरन बनाया गया। इस परिसर की दीवारें, उन पर बनी आकृतियां और वहां स्थित नंदी की प्रतिमा यही बताती है कि जिसे मस्जिद कहा जा रहा है, वह मंदिर है।

क्या किसी के पास योगी आदित्यनाथ के इस सवाल का कोई जवाब है कि आखिर ज्ञानवापी परिसर में त्रिशूल क्या कर रहा है? यह शुभ संकेत नहीं कि उनके इस प्रश्न का उत्तर देने के स्थान पर मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड के नेता मूल विषय से ध्यान भटकाने वाले बयान देने में जुट गए हैं। यही काम कुछ अन्य मुस्लिम नेता भी करने में लगे हुए हैं। इससे बात बनने वाली नहीं है। मुस्लिम समाज को खुद उन नेताओं से सावधान रहना होगा, जो अपने स्वार्थ के लिए उन्हें बहकाने में लगे हुए हैं।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

# एमएमआरडीए को समय रहते मेट्रो के ठेकेदारों पर लगाम लगानी चाहिए - आदित्य ठाकरे

मुंबई : मुंबई में होनेवाले भारी ट्रैफिक जाम को देखते हुए मेट्रो का नेटवर्क जाल को बिछाया जा रहा है। लेकिन मेट्रो के काम लोगों के लिए सिरदर्द साबित हो रहे हैं। ठेकेदारों की मनमानी के कारण सड़कों की स्थिति बद से बदतर हो गई है।

इस बारे में कई शिकायतें मिलने के बाद शिवसेना नेता और विधायक आदित्य ठाकरे ने ट्वीट किया कि एमएमआरडीए को समय रहते मेट्रो के ठेकेदारों पर लगाम लगानी चाहिए। उन्होंने आगे लिखा कि मेट्रो के बैरिकेड्स और अन्य सामग्रियां अस्त-व्यस्त पड़ी रहती हैं, जिससे ट्रैफिक जाम होता है और पैदल यात्रियों को भी आने-जाने में परेशानी होती है। मेट्रो निर्माण के लिए ठेकेदार द्वारा लाई गई सामग्री को सड़क पर डंप कर दिया गया है। इससे अच्छी-खासी सड़कें भी उखड़कर कर छलनी हो गई हैं। मेट्रो बैरिकेड्स को वैसे छोड़ दिया जाता है, कुछ इधर-उधर पड़े रहते हैं। इससे यातायात में बाधा उत्पन्न होती है। आदित्य ठाकरे ने एमएमआरडीए के अधिकारियों से अपील की है कि वे मेट्रो ठेकेदारों को मुनाफा न कमाने दें और अपने प्रिय शहर मुंबई को एमएमआरडीए के कुप्रबंधन के कारण दिवालिया न होने दें।

आदित्य ठाकरे ने कहा कि राज्य में महाविकास अघाड़ी सरकार के दौरान, मैंने यह सुनिश्चित करने के लिए एमएमआरडीए अधिकारियों के साथ कई बार बैठकें की थीं ताकि मेट्रो कार्यों से मुंबईकरों को किसी भी प्रकार की परेशानी या असुविधा न हो। जिस स्थान पर कार्य चल रहा है, उसी स्थान पर बैरिकेड्स लगाए जाएं तथा यातायात को बाधित करने वाली सामग्री सड़कों पर न छोड़ी जाए। बता दें कि मुंबई के कई हिस्सों में एमएमआरडीए द्वारा मेट्रो का काम चल रहा है, लेकिन यह पाया गया है कि इन कामों को करते समय ठेकेदारों द्वारा लोगों को होनेवाली दिक्कतों का उचित ध्यान नहीं रखा जाता है। बांद्रा वेस्ट में मेट्रो के चल रहे काम की वजह से सड़क को ब्लॉक कर दिया गया है और सड़कों पर बेतरतीब तरीके से बैरिकेड्स लगा दिए गए हैं।

# सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर हिंसा को लेकर सरकार को झाड़ा

**मुंबई :** सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर हिंसा को लेकर सरकार से तीखे सवाल किए हैं। कोर्ट ने पूछा है कि ४ मई को २ महिलाओं को निर्वस्त्र करके घुमाया गया, लेकिन एफआईआर १८ मई को दर्ज हुई। १४ दिन तक पुलिस ने कुछ क्यों नहीं किया? इसके साथ ही अदालत ने कहा कि जो ६,००० एफआईआर दर्ज हुई हैं, उनका वर्गीकरण क्या है? कितनी एफआईआर महिलाओं के खिलाफ अपराध से जुड़ी हैं? कितनी जीरो एफआईआर हैं? इन तमाम मामलों में क्या कार्रवाई हुई है? कितनी गिरफ्तारी हुई हैं? इसके जवाब में केंद्र सरकार ने कहा कि पीड़ितों को न्याय दिलाना उसकी प्राथमिकता है। जांच सीबीआई को सौंप दी गई है। सरकार को इस बात पर कोई आपत्ति नहीं कि सीधे सुप्रीम कोर्ट जांच की निगरानी करे। मुकदमा भी राज्य से बाहर ट्रांसफर कर दिया जाना चाहिए।

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट खुद संज्ञान लेकर यह सुनवाई कर रहा है। लेकिन मामले को लेकर कई याचिकाएं भी दाखिल हुई हैं। इनमें ४ मई की घटना में दुर्व्यवहार की शिकार दोनों महिलाओं की याचिका भी शामिल है। उनकी तरफ से बोलते हुए वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि जांच सीबीआई को नहीं सौंपनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट अपनी तरफ से एसआईटी बनाए।

याचिकाकताओं की तरफ से इंदिरा जयसिंह, कॉलिन गोंजाल्विस, शोभा गुप्ता और वृंदा ग्रोवर जैसे वकीलों ने भी दलीलें दीं। उन्होंने राज्य सरकार की भूमिका पर सवाल उठाए। यह भी कहा कि केंद्र सरकार भी हिंसा पर निष्क्रिय बनी रही। इंदिरा जयसिंह ने कहा कि जांच से भी पहले जरूरी है कि महिलाओं में बयान देने के लिए आत्मविश्वास जगाया जाए। इसके लिए महिला सामाजिक कार्यकताओं की एक हाई पॉवर्ड कमिटी वहां भेजी जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर सरकार से कई सवाल पूछे हैं। आज भी दोपहर २ बजे से सुनवाई जारी रहेगी। चीफ जस्टिस डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने मैतेई समुदाय के लिए पेश एक वकील को इस बात पर भी आश्वस्त किया कि यह सुनवाई निष्पक्ष है। चीफ जस्टिस ने कहा, 'हिंसा किसी भी समुदाय के प्रति हुई हो, हम उसे गंभीरता से लेंगे। यह सही है कि ज्यादातर याचिकाकर्ता कुकी समुदाय की तरफ से हैं।

## जयपुर-मुंबई एक्सप्रेस ट्रेन में फायरिंग के आरोपी चेतन सिंह 7 अगस्त तक रेलवे पुलिस की हिरासत में

**पालघर :** महाराष्ट्र के पालघर में जयपुर-मुंबई एक्सप्रेस ट्रेन में गोलीबारी की घटना ने सबको हैरान कर दिया है। ट्रेन में मौजूद यात्रियों की सुरक्षा रेलवे पुलिस की होती है, लेकिन गोलीबारी की इस घटना ने सुरक्षा पर ही सवाल खड़े कर दिए हैं। वहीं आरोपी चेतन सिंह को बोरीवली कोर्ट में सुनवाई के लिए पेश किया गया। अदालत ने आरोपी चेतन को सात अगस्त तक रेलवे पुलिस की हिरासत में भेज दिया है। बता दें कि मुंबई जयपुर-मुंबई सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन में रेलवे सुरक्षा बल (RPF) के एक कांस्टेबल चेतन सिंह ने फायरिंग की थी। इस फायरिंग में आरपीएफ के एक अरकऔर तीन यात्रियों की मौत हो गई थी।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : बुधवार 02 अगस्त 2023

# 7 दिनों में भर देंगे मुंबई की सड़कों के गड्ढे !

## सीएम एकनाथ शिंदे की नाराजगी के बाद बीएमसी का दावा...

**1. मुख्यमंत्री शिंदे ने कमिश्नर चहल को जल्द से जल्द गड्ढे भरने को कहा**

**2. ऐक्शन मोड में लोढ़ा, अतिरिक्त आयुक्त को दिया गड्ढा भरने का निर्देश**

**मुंबई:** महानगर में सड़कों के गड्ढे भरने के लिए बीएमसी नई-नई तकनीक अपना रही है, लेकिन अब तक अपनी योजना में बीएमसी सफल नहीं हो पाई है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सड़कों के गड्ढों की लगातार आ रही शिकायत के बाद बीएमसी कमिश्नर आई.एस.चहल को आदेश दिया है कि जल्द से जल्द गड्ढे भरे जाएं। बीएमसी सूत्रों के मुताबिक, चहल ने सीएम से वादा किया है कि एक सप्ताह के भीतर सड़कों के गड्ढे भर दिए जाएंगे। वहीं रविवार को पश्चिम उपनगर में सड़कों के गड्ढों का जायजा लेने गए उपनगर के पालक मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने सोमवार को इस मुद्दे पर बीएमसी के अतिरिक्त आयुक्त (प्रॉजेक्ट) पी.वेलरासू से मुलाकात की। लोढ़ा ने भी सड़कों के गड्ढों की वजह से नागरिकों को हो रही परेशानी से अवगत कराया और जल्द से जल्द गड्ढे भरने के निर्देश दिए।

### गड्ढे भरने के लिए 24 वॉर्डों में स्पेशल टीम

मुख्यमंत्री शिंदे ने कमिश्नर चहल को साफ निर्देश दिया कि गड्ढों के कारण यातायात प्रभावित नहीं होना चाहिए। बीएमसी प्रशासन को मुंबई में सड़कों को गड्ढा मुक्त

करने के लिए तत्काल प्रभावी कदम उठाए। सीएम के निर्देश के बाद बीएमसी प्रशासन हरकत में आ गया। वेलरासू ने आदेश दिया कि सड़कों के गड्ढे भरने के लिए सभी 24 वॉर्डों में टीम बनाई जाए। प्रत्येक वॉर्ड में असिस्टेंट कमिश्नर गड्ढे भरने के काम के दौरान नोडल ऑफिसर के रूप में कार्य करेंगे। डिविजनल रोड इंजिनियर और एग्जिक्यूटिव इंजिनियर काम रिपोर्ट देंगे। दिन में गड्ढे की जानकारी हासिल कर रात में गड्ढे भरे जाएंगे। स्पेशल टीम तैयार करके गड्ढे भरे जाएंगे।

इन सेकंडरी इंजिनियरों की देखरेख में मैस्टिक रैपिड हार्डनिंग कंक्रीट विधि से गड्ढे भरे जाएंगे। लगातार बारिश के कारण बने गड्ढों को भरने में वॉर्ड लेवल पर मंजूर धनराशि का पूरा उपयोग किया जाए। गड्ढों को भरने के लिए रैपिड हार्डनिंग कंक्रीट, कोल्ड मिक्स और मैस्टिक में से जो भी टिकाऊ हो, उसका उपयोग किया जाए। वेलरासू ने कहा कि मुंबई में पूर्व और पश्चिम उपनगरों में गड्ढों की शिकायतें मुख्य रूप से प्रॉजेक्ट रोड से संबंधित हैं। ऐसी सड़कों के रखरखाव में गड़बड़ी करने वाले ठेकेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। एमएमआरडीए, एमएसआरडीसी और पीडब्ल्यूडी जैसे विभिन्न प्राधिकरणों के समन्वय से सड़कों पर गड्ढों को भरने के उपाय किए जाने चाहिए। हालांकि, बीएमसी ने खुद माना है कि अप्रैल से जुलाई के बीच 6000 से गड्ढे भरे गए हैं। सड़कों पर गड्ढों को भरने के लिए बीएमसी ने 125 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं।

### रवि राजा ने ट्वीट कर उठाए सवाल

**बीएमसी में पूर्व नेता विपक्ष रवि राज ने बीएमसी द्वारा सड़कों के भरे जा रहे गड्ढों के तरीकों पर सवाल उठाया है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि बीएमसी जो गड्ढे भर रही है, वह सड़कों के लेवल में नहीं हैं। कई जगह चैंबर या मैनहोल के आसपास गड्ढे भरते समय बीएमसी कंक्रीट की ऊंचाई ज्यादा कर दे रही है। इससे दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। गड्ढे भरते समय बीएमसी को सड़कों के लेवल का विशेष ध्यान देना चाहिए।**

## आंध्र में पार्षद ने खुद को चप्पल से मारा...

**आंध्र प्रदेश :** आंध्र प्रदेश में अनाकापल्ली जिले के एक पार्षद ने जनता से किए गए वादों को पूरा करने में विफल रहने पर सोमवार को खुद को चप्पलों से मारा। नरसीपट्टनम नगर पालिका (वार्ड 20) के पार्षद मुलापर्थी रामाराजू ने परिषद की बैठक के दौरान दुख जताया। इस हरकत का एक वीडियो वायरल हो रहा है। रामाराजू ने खुद को थप्पड़ मारने का कारण बताते हुए कहा कि मुझे पार्षद चुने हुए 31 महीने हो गए हैं, लेकिन मैं अपने वार्ड में जल निकासी, बिजली, स्वच्छता, सड़क और अन्य समस्याओं जैसे नागरिक मुद्दों को हल करने में असमर्थ हूं। ऑटोरिक्शा चलाकर जीवन-यापन करने वाले 40 वर्षीय पार्षद ने बताया कि उन्होंने सभी विकल्प आजमाए, लेकिन मतदाताओं से किए गए वादे पूरे नहीं कर सके।

# नालों की दिशा बदलने से डूब रहे वसई-विरार शहर !

## बीजेपी के पूर्व नगरसेवक ने लगाया मनपा पर आरोप

**वसई :** पिछले दिनों हुई मूसलाधार वारिश में वसई-विरार पूरी तरह से जलमग्न हो गया था। इस वारिश से निचले इलाकों में रहने वाले सवसे ज्यादा प्रभावित हुए। वारिश बंद होने के वाद भी शहर की कई हाउसिंग सोसायटीज में गंदा पानी जमा है। गंदगी के कारण मौसमी बीमारियां फैल रही हैं। बीजेपी के पूर्व नगरसेवक किरण भोईर ने आरोप लगाया कि वसई (पूर्व) के मधुवन इलाके में विल्डरों की तरफ से अवैध भराव करने और नालों की दिशा वदलने से वसई-विरर में वाढ़ जैसी स्थिति पैदा हुई है। आने वाले दिनों में जव यहां की आवादी तीस लाख से ज्यादा हो जाएगी, तो लोगों को कई तरह की मुसीवतें झेलनी पढ़ेंगी। बता दें कि बारिश के दौरान वसई-विरार का पानी मधुवन स्थित बड़े-बड़े नालों से होकर समुद्र में चला जाता था। इससे यहां जलभराव की समस्या कभी नहीं होती थी, लेकिन पिछले दो साल से इस इलाके में कई बड़े-बड़े प्रॉजेक्ट दक हुए हैं। बड़े-वड़े टावर बनाए जा रे हैं। पूर्व नगरसेवक भोईर ने वताया कि मधुवन इलाके में विल्डरों ने प्राकृतिक तालाबों को मिट्टी से पाट दिया है। कई प्राकृतिक नालों की चौड़ाई भी कम कर उनकी दिशा बदल दी है। इससे शहर का पानी समुद्र में नहीं जा रहा है। वसई, विरार और नालासोपारा की कई हाई-फाई सोसायटीज के पास नालों की चौड़ाई कम करने से निचले इलाकों में भागे जलभराव की समस्या हो रही है। इस संबंध में जब मनपा के अधिकारी राजेन्द्र लाड से संपर्क किया गया, तो उन्होंने फोन तक नहीं उठाया।

सरकारी जमीनों पर बिल्डरों का कब्जा है। राजीवली, गोखीवरे व अन्य गांवों के आदिवासी खेती पर निर्भर थे। एक दशक पहले यहां पेड़-पोधे, तालाब, खदानें, मैंग्रोज बड़े पेमाने पर थे, जो अब पूरी तरह नष्ट हो चुके हैं। पर्यावरण को भी भारी नुकसान पहुंचा है। - किरण भोईर, पूर्व नगरसेवक

## सुप्रीम कोर्ट ने जमानत के लिए नवाब मलिक की याचिका पर सुनवाई की स्थगित

**मुंबई:** उच्चतम न्यायालय ने प्रवर्तन निदेशालय द्वारा धन शोधन मामले की जांच के संबंध में चिकित्सा आधार पर जमानत देने से इनकार करने के बंबई उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री नवाब मलिक की याचिका पर सुनवाई सोमवार को एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दी। न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी की पीठ ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता मलिक का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल के मौजूद नहीं रहने के कारण मामले को स्थगित कर दिया। मलिक को फरवरी 2022 में ईडी ने भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम और उसके सहयोगियों की गतिविधियों से जुड़े मामले में गिरफ्तार किया था। राकांपा नेता न्यायिक हिरासत में हैं और वर्तमान में यहां एक निजी अस्पताल में इलाज करवा रहे हैं।

उच्च न्यायालय ने 13 जुलाई को मलिक को चिकित्सा आधार पर जमानत देने से इनकार कर दिया था। मलिक ने उच्च न्यायालय से राहत का अनुरोध करते हुए दावा किया कि वह कई अन्य बीमारियों के अलावा किडनी के गंभीर रोग से पीड़ित हैं। उन्होंने मामले के तथ्यों के आधार पर जमानत का अनुरोध किया। उच्च न्यायालय ने कहा था कि वह दो सप्ताह के बाद मामले के गुण-दोष के आधार पर जमानत की मांग वाली उनकी याचिका पर सुनवाई करेगा। मलिक के खिलाफ ईडी का मामला राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) द्वारा 1993 के मुंबई सिलसिलेवार बम विस्फोटों के मुख्य आरोपी दाऊद इब्राहिम और उसके सहयोगियों के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत दर्ज की गई प्राथमिकी पर आधारित है।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : बुधवार 02 अगस्त 2023

# दोपहिया 'ईवी' मालिकों को लगनेवाला बड़ा झटका, सब्सिडी वापस करना पड़ सकता है

**मुंबई :** दोपहिया 'ईवी' मालिकों को बड़ा झटका लगनेवाला है। उन्हें 'ईवी' की खरीद में जो सब्सिडी मिली थी, उसे उन्हें वापस करना पड़ सकता है। 'ईवी' निमार्ताओं के एक समूह को एमएचआई (मिनिस्ट्री ऑफ हैवी इंडस्ट्रीज) ने एक प्रस्ताव दिया है, जिसमें ग्राहक को कम कीमत पर बेचे गए वाहनों की सब्सिडी के पैसे वापस करने के लिए उनसे संपर्क करने को कहा गया है। इस प्रस्ताव में हीरो इलेक्ट्रिक, बेनलिंग और एम्मो मोबिलिटी समेत सात कंपनियां शामिल हैं। दरअसल, नियमानुसार सरकार ने उन वाहनों पर सब्सिडी देना तय किया था, जिनमें देसी कलपुर्जे लगने थे। पर इन कंपनियों ने इस नियम का उल्लंघन कर विदेशी कलपुर्जों का आयात कर उसका इस्तेमाल किया।

### ४६९ करोड़ रुपए का जुमार्ना

**नियमों के मानदंडों का उल्लंघन करने वाली सातों कंपनियों पर एमएचआई ने करीब ४६९ करोड़ रुपए का जुमार्ना लगाया है। मंत्रालय ने एआरएआई और आईसीएटी जैसी वेहीकल टेस्टिंग एजेंसियों को इन कंपनियों द्वारा वाहनों में इस्तेमाल किए जाने वाले कलपुर्जों की सोर्सिंग की जांच करने को कहा था। जांच में पाया गया कि इन सात कंपनियों ने आयातित कलपुर्जों का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया है जो कि नियम का खुला उल्लंघन था।**

# ठाणे हादसे में अब तक 17 श्रमिकों की मौत

## CM शिंदे ने की मुआवजे की घोषणा, दिए जांच के आदेश

मुंबई : जहां महाराष्ट्र के ठाणे जिले में समृद्धि एक्सप्रेसवे निर्माण के तीसरे चरण के दौरान एक क्रेन के बीते देर रात मंगलवार को पुल के एक स्लैब (पट्टी) पर गिर जाने से अब तक 17 श्रमिकों की मौत हो गई और तीन अन्य लोग घायल हो गए। वहीं इस मामले पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाराष्ट्र में समृद्धि एक्सप्रेसवे निर्माण के दौरान पुल के स्लैब पर क्रेन गिरने से हुई श्रमिकों की मौत पर मंगलवार को शोक जताया। इतना ही नहीं उन्होंने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से इस दुर्घटना के प्रत्येक मृतक के निकटस्थ परिजन को दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की अनुग्रह राशि दिए जाने की घोषणा की।

शहापूर तालुक्यात समृद्धी महामार्गावर पुलाचे काम सुरू असताना एक दुर्घटना होऊन काही मजुरांचा मृत्यू झाल्याची घटना अतिशय दुःखद आणि मनाला वेदना देणारी आहे. मी त्यांना भावपूर्ण श्रद्धांजली अर्पण करतो. त्यांच्या कुटुंबियांच्या दुःखात आम्ही सहभागी आहोत. घटना पर महाराष्ट्र के उट एकनाथ शिंदे ने आज कहा कि, यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। मृतकों के परिजनों को 5 लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी जाएगी। यहां स्विट्जरलैंड की एक कंपनी काम कर रही थी। इसकी गहन जांच के निर्देश दिए गए हैं। ठऊक्रऋ की टीम मौके पर पहुंच गई है और बचाव कार्य के निर्देश दिए हैं। हमारे संबंधित विभाग के अधिकारी और मंत्री भी मौके पर मौजूद हैं।

वहीं महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एक ट्वीट में कहा कि उन्होंने इस घटना की विशेषज्ञों से जांच कराने के आदेश दिए हैं। फडणवीस ने हादसे में श्रमिकों के मारे जाने पर शोक भी जताया। हादसे का कारण बनी क्रेन एक विशेष प्रयोजन वाली 'मोबाइल गैन्ट्री क्रेनथी, जिसका उपयोग पुल निर्माण और राजमार्ग निर्माण परियोजनाओं में पूर्वनिर्मित डिब्बानुमा पुल की डाट (गर्डर) लगाने के लिए किया जाता था।

जानकारी दें कि, राज्य की उपराजधानी नागपुर को शिरडी से जोड़ने वाले इसके पहले चरण का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिसंबर 2022 में किया था। पहले चरण के तहत 520 किलोमीटर लंबा मार्ग बनाया गया है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बीते 26 मई को इगतपुरी तालुका के भारवीर गांव से शिरडी तक समृद्धि महामार्ग के 80 किलोमीटर लंबे दूसरे चरण का उद्घाटन किया था। वहीं उट शिंदे ने मई में कहा था कि तीसरा और आखिरी चरण इस साल दिसंबर के अंत तक पूरा हो जाएगा। गौरतलब है कि, समृद्धि महामार्ग को हिंदू हृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे महाराष्ट्र समृद्धि महामार्गके नाम से जाना जाता है। यह मुंबई और नागपुर को जोड़ने वाला 701 किलोमीटर लंबा एक्सप्रेसवे है, जो नागपुर, वाशिम, वर्धा, अहमदनगर, बुलढाणा, औरंगाबाद, अमरावती, जालना, नासिक और ठाणे सहित 10 जिलों से होकर गुजरता है। समृद्धि महामार्ग के निर्माण का कार्य महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम कर रहा है।

# मुंबई में होनेवाले क्रिकेट मैचों के टिकटों की दरों की घोषणा

## वानखेड़े स्टेडियम के टिकट की कीमतें अन्य नौ स्टेडियमों की तुलना में सबसे महंगी

**मुंबई :** आगामी अक्टूबर-नवंबर में होने वाले आईसीसी विश्व कप में मुंबई में होनेवाले क्रिकेट मैचों के टिकटों की दरों की घोषणा कर दी गई है। वैसे तो क्रिकेटप्रेमी एक हजार रुपए में भी मैच देख सकेंगे, लेकिन चूंकि इन टिकटों की संख्या करीब दो हजार होने के कारण जिन क्रिकेट प्रेमियों को ये टिकट मिलेंगे वो वाकई भाग्यशाली होंगे। साथ ही सभी सुविधाओं से लैस बॉक्सों की कीमतें अधिकतम ४५ हजार रुपए तक रखी गई हैं। इसलिए यह स्पष्ट है कि वानखेड़े स्टेडियम के टिकट की कीमतें अन्य नौ स्टेडियमों की तुलना में सबसे महंगी होंगी। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन की आज हुई बैठक में टिकटों की कीमतें तय कीं।

गौरतलब हो कि पिछले हफ्ते ही ऐतिहासिक ईडन गार्डन्स के टिकटों की कीमतों की घोषणा की गई थी। इसका रेट ६५० रुपए से ३,००० रुपए तक रखा गया है। लेकिन वानखेड़े के टिकट के दाम एक हजार से ४५ हजार रुपए तक हैं। भारत में सबसे महंगी दरें वानखेड़े स्टेडियम में होंगी।

# आरपीएफ अधिकारियों और कर्मचारियों की काउंसलिंग की है जरूरत...

**मुंबई :** जयपुर-मुंबई सुपरफास्ट एक्सप्रेस में सोमवार की सुबह रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स के जवान ने खौफनाक कदम उठाते हुए अपने वरिष्ठ अधिकारी समेत ३ यात्रियों को गोलियों से भून दिया। इस हृदय विदारक घटना में चारों की मौत हो गई। वहीं आरपीएफ जवान द्वारा उठाए गए इस कदम को लेकर मनोचिकित्सकों ने संभावना जताते हुए कहा है कि यह मानसिक तौर पर बीमार हो सकता है। हत्या की वारदात को अंजाम देते समय शायद यह बहुत तनाव में रहा होगा। हालांकि, मेडिकल जांच के बाद ही यह साफ हो पाएगा कि आरपीएफ जवान मानसिक रूप से बीमार था या कोई और कारण है। उल्लेखनीय है कि आरपीएफ जवान चेतन सिंह ने एक्सप्रेस में अपनी ऑटोमैटिक राइफल से साथी सहायक उप निरीक्षक को गोली मार दी। इसके बाद वह दूसरे डिब्बे में गया और तीन यात्रियों को भी शूट कर दिया। घटना के वक्त ट्रेन गुजरात से महाराष्ट्र आ रही थी। फायरिंग पालघर रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन के कोच बी-५ में हुई। जवान को उसकी राइफल के साथ गिरफ्तार कर लिया गया है। बताया गया है कि आरोपी काफी समय से तनाव में था। इस तरह की घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं। ऐसे में मनोचिकित्सकों की अलग-अलग राय है।

# कल्याण, ठाणे, पुणे तथा मुंबई से फर्जी एसीबी अधिकारी गिरफ्तार, पिस्टल, ६ कारतूस तथा २५ लाख २५ हजार के मुद्देमाल बरामद

**नई मुंबई :** नई मुंबई ऐरोली में एक मकान में जबरन घुसकर जान से मार देने की धमकी देकर घर में रखे कीमती सोने के जेवर सहित कुल ३४ लाख ८५ हजार रुपए के माल को लूटकर ले जाने वाले कुल ११ आरोपियों को रबाले पुलिस थाने की पुलिस ने पकड़ा लिया है। मिली जानकारी के अनुसार, ऐरोली सेक्टर ६ में रहने वाले सार्वजनिक बांधकाम विभाग के सेवानिवृत्त अधिकारी के घर में कुछ लोग घुस कर अपने आप को एसीबी का अधिकारी बताते हुए घर की तलाशी लेने की बात कह कर बल जबरी घर में रखे ३४ लाख ८५ हजार रुपए के मुद्देमाल लेकर फरार हो गए। उक्त घटना की शिकायत रबाले पुलिस थाने में दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मामले की पूरी जांच कर तथा सीसीटीवी कैमरे के फुटेज को खंगालने के बाद पुलिस को लगा कि घटना को अंजाम देने वाले आरोपी मुंबई, ठाणे, कल्याण और पुणे की तरफ से आए हैं।

# क्या मुर्दा, क्या जिंदा सभी परेशान !

## दाह संस्कार के लिए चिता पर रखा गया शव बाढ़ के पानी में बह गया

**पालघरः** पालघर के आदिवासी इलाकों में शासन-प्रशासन भले ही विकास के दावे करे, लेकिन शासन प्रशासन की उदासीनता के चलते क्या मुर्दा, क्या जिंदा सभी परेशान हैं।पालघर में आज भी कई गांवों में स्मशान भूमि न होने की वजह से लोगों को अपने परिजनों-रिश्तेदारों के अंतिम संस्कार खुले स्थान पर करना पड़ रहा है और बारिश के ऐसे मौसम में जब किसी व्यक्ति का दाह संस्कार होना हो तो ऐसे हालात बन जाते हैं कि पार्थिव शरीर का अंतिम क्रियाकर्म करना मुश्किल हो जाता है। पालघर जिले में पिछले कई दिनों से भारी बारिश हो रही है। नदी उफान पर है,कई गांवों का संपर्क टूट गया है। ऐसे में यहां एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी है। मनोर के करीब स्थित आवढानी डुकले पाडा गांव में दाह संस्कार के लिए चिता पर रखा गया एक शव बाढ़ के पानी में बह गया। गांव में अंतिम संस्कार के लिए स्मशान भूमि नहीं है। ऐसे में यहां के लोगों को खुले में नदी के किनारे अंतिम संस्कार करना पड़ता है। विष्णु शेलार की मौत के बाद उनका शव चिता पर रखा गया। और अंतिम संस्कार परिजनों ने शुरू ही किया था तभी नदी में आई बाढ़ में शव पानी में बह गया।

# बाप ने अपनी बेटी की हत्या कर शव को जंगल में फेंक दिया और जलाने की कोशिश की

**नई मुंबई :** तत्कालीन सहायक पुलिस उपायुक्त शशिकांत बोराडे को इंद्री पहाड़ी के जंगलों में एक लड़की का शव होने की जानकरी मिली थी। लेकिन इस बारे में कोई भी बोलने को तैयार नहीं था। इसकी जानकारी वहीं रहनेवाले राजकुमार भगत को हुई, उसने इसकी सूचना पुलिस को दी। जिसके बाद पुलिस ने स्थानीय नागरिकों की मदद से ८ फरवरी २०१५ को लड़की का शव बरामद कर लिया। शव जानवरों द्वारा खाया हुआ था, जिसके कारण शव चारों तरफ पैष्ठला हुआ था। हत्यारों ने लड़की की हत्या करने के बाद शव को जलाने की कोशिश की थी। वहां राख, नीबू, फूलों का हार और अगरबत्ती मिलने से पुलिस ने नरबलि की संभावना जताई थी। अज्ञात लोगों द्वारा जंगल में लाकर लड़की की हत्या की संभावना जताई जा रही थी। लड़की के बाल खून से सने हुए थे। लड़की के शव

के पास कपड़े का बैग मिला था। इस बैग पर सिद्धि नाम का प्लास्टिक का ब्रेसलेट, एस नाम का पर्स और पेंडल, नीले रंग का ड्रेस, पुराना कपड़ा, पनवेल-पेण एसटी बस का टिकट और मेकअप का सामान मिला था। कपड़ा देखकर यह शव लगभग १५ वर्षीया लड़की का होने का अंदाजा जताया जा रहा था। सहायक पुलिस आयुक्त शशिकांत बोराडे ने बताया कि शव की हड्डियों को फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया था। इस बीच उरण पुलिस ने आस-पास के पुलिस स्टेशनों में सिद्धि नाम की गायब हुई लड़की की गुमशुदगी के रिपोर्ट की खोज ली व अन्य माध्यमों से भी जानकारी लेनी शुरू कर दी थी। दूसरी ओर पुलिस की एक टीम लावारिश लाश की खोज करते हुए सीधे सिद्धि के पिता सुनील घरत के घर तक पहुंच गई तो पुलिस को जानकारी मिली कि उरण के पास केलवणे गांव की रहनेवाली सिद्धि पिछले काफी दिनों से घर नहीं आई है और न ही इस बाबत कोई शिकायत पुलिस में दर्ज की गई थी। इससे पुलिस का संदेह घरवालों की तरफ जा रहा था। इसके बाद पुलिस ने घरवालों से पूछताछ करनी शुरू कर दी। प्राथमिक पूछताछ में ही सिद्धि के पिता सुनील घरत ने इस हत्या की बात स्वीकार कर ली। पूछताछ में सुनील घरत ने बताया कि मृत युवती सिद्धि के बार-बार घर छोड़कर चले जाने की आदत से सुनील घरत व उसका पूरा परिवार बहुत तनाव में रहता था और गांव व समाज में इससे काफी बदनामी हो रही थी। बेटी की इस आदत से परेशान घरवालों ने उसे कई बार समझाने की कोशिश भी की, परंतु वह अपनी आदतों पर कायम थी। इसी दौरान सिद्धि एक बार फिर से ४ जनवरी को घर से १५ दिनों के लिए गायब हो गई थी। इससे उसके पिता सुनील को उससे नफरत हो गई थी। जब सिद्धि वापस घर लौटी तो उसके पिता सुनील घरत ने उससे कहा कि हम तुझे अपने से मुक्त करते हैं और अब तुम हमेशा के लिए इस घर से निकल जाओ। २० जनवरी को सुनील घरत ने सिद्धि को इंद्रायणी पहाड़ी पर ले जाकर उसकी ओढ़नी से उसका गला घोंटकर मौत के घाट उतार दिया।

# फंडिंग में आई भारी कमी...

# हजारों कर्मचारियों को नौकरी छोड़ने के लिए मजबूर

**मुंबई :** हिंदुस्थान में भारी विदेशी निवेश होने का ढिंढोरा पीटनेवाली मोदी सरकार का इस वर्ष के शुरूआती ६ महीनों में ही रिपोर्ट कार्ड जारी हो गया है। खबरों के मुताबिक, फंडिंग में आई भारी कमी ने भारतीय स्टार्टअप्स को हजारों कर्मचारियों को नौकरी छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया है। भर्ती और स्टाफिंग फर्म सीआईईएल एचआर से प्राप्त डाटा से पता चलता है कि २०२३ के शुरूआती महीनों में लगभग ७० स्टार्टअप ने १७,००० से अधिक कर्मचारियों को बेरोजगार कर दिया है। स्टार्टअप, जो आमतौर पर बाहरी इन्वेस्टमेंट पर निर्भर होते हैं, इन्वेस्टर की फंडिंग में गिरावट के बाद उनकी लागत कम हो गई, जिससे उन्हें लागत में कटौती करने और नकदी बचाने के लिए मजबूर होना पड़ा। सीआईईएल एचआर के एमडी और सीईओ के अनुसार 'इंडस्ट्री में आनेवाले नए निवेश की कमी के साथ इन स्टार्टअप्स के लिए फंडिंग क्रंच सबसे बड़ी चुनौती है।' जानकारी के मुताबिक, छंटनी से विभिन्न सेक्टर प्रभावित हुए हैं, जिनमें ई-कॉमर्स (किराना, शिशु देखभाल और व्यक्तिगत देखभाल जैसे सेक्टर शामिल के अलावा फिनटेक, एडटेक, लॉजिस्टिक्स तकनीक और स्वास्थ्य-तकनीक शामिल हैं। यहां तक कि मीशो, अनएकेडमी, स्विगी और शेयरचैट जैसी मशहूर यूनिकॉर्न कंपनियों को भी नौकरियों में कटौती करनी पड़ी है। गौरतलब है कि कई संकटों का सामना कर रही प्रमुख एडटेक कंपनी बायजू ने अकेले इस साल ५००-१,००० कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। पीडब्ल्यूसी के अनुमान के मुताबिक, २०२३ की पहली छमाही में स्टार्टअप फंडिंग पिछले वर्ष की समान अवधि के १८.३ बिलियन डॉलर से काफी कम होकर ३.८ बिलियन डॉलर हो गई, जोकि लगभग ८०% की खतरनाक गिरावट को दशार्ता है। हालांकि, स्पेशलिस्ट ने खुलासा किया है कि भारत-सेंटर फंडों के पास अभी भी अनुमानित १८ बिलियन डॉलर का फंड है।

# अनोखी ठगी, ९ करोड़ रुपए का चूना

**मुंबई :** मुंबई के बारे में कहावत है कि यहां पैसा उड़ता है, बस पकड़नेवाला चाहिए। लेकिन ठगों के लिए यही पैसा हर जगह उड़ता है। इसी तर्ज पर वे कहीं भी और वैष्ठसे भी कमाई का जुगाड़ कर लेते हैं। लखनऊ में तीन शातिर ठगों नै बड़ी दुकानों के फीके पकवान भी बिक जाते हैं' फॉमूर्ला आजमाकर कई लोगों को करीब ९ करोड़ रुपए का चूना लगा दिया था। वर्ष २०२२ में हुई अनोखी ठगी के इस मामले में यूपी एसटीएफ ने अब आरोपियों को महाराष्ट्र के पुणे और गुजरात के अमदाबाद से गिरफ्तार किया है। हुआ ऐसा था कि कोरोना के कारण लगे लॉकडाउन से घुटन महसूस कर रहे लोगों को इन ठगों ने मनोरंजन कराने का झांसा दिया। इन्होंने २० नवंबर, २०२२ को लोगों को श्री सुविधा फाउंडेशन ट्रस्ट के माध्यम से इकाना स्टेडियम, लखनऊ में चैरिटी शो कराने का प्रचार किया था और कहा था कि इस शो में फिल्म स्टार सनी लियोनी, नोरा फतेही, टाइगर श्रॉफ, मौनी रॉय, पंजाबी सिंगर गुरु रंधावा और सचित-परंपरा आएंगे। मीडिया

रिपोर्टों की मानें तो ठगों ने पंजाबी सिंगर गुरु रंधावा, सचित-परंपरा और डान्सिंग स्टार्स में नोरा फतेही, सनी लियोनी, टाइगर श्रॉफ और मनीष पॉल आदि की वीडियो बाइट भी प्रचार में शामिल की थी, जिनमें उक्त सितारे २० नवंबर, २०२२ को इकाना स्टेडियम में होनेवाले शो में लोगों से आने की बात कहते नजर आए थे। इतना ही नहीं गिरोह के मास्टरमाइंड ने शो में रुपए इनवेस्ट करनेवालों को १ करोड़ के बदले में डेढ़ करोड़ वापस लौटाने का लालच दिया था। वहीं एक अन्य ने पैसा लगानेवाले को चैरिटी शो से पहले मनचाही गाड़ियां ७० प्रतिशत दाम पर उपलब्ध कराने का झांसा दिया। इसके बाद बॉलीवुड के उक्त बड़े सितारों के पैंष्ठस सुविधा फाउंडेशन में करोड़ों रुपए इनवेस्ट करने लगे। लेकिन बाद में शो के कथित आयोजक अलग-अलग बहाना बनाकर शो की तारीख आगे बढ़ाने लगे और अततः शो नहीं हुआ। दिलचस्प बात यह है कि इस ठगी का मास्टरमाइंड महज १२वीं पास है। कई वर्षों तक कूरियर कंपनी में डिलिवरी ब्वॉय के रूप में काम करने के बाद उसने उक्त कांड को अंजाम दिया था।

वैसे तो इंसान की जिंदगी का कोई मोल नहीं है लेकिन कुछ लोग चंद रुपयों के लिए किसी की भी जान लेने को तैयार हो जाते हैं। कोलकाता में तो एक मजदूर को महज ५ रुपयों के लिए अपनी जान गंवानी पड़ी। घटना कोलकाता में ढाकुरिया ब्रिज के पास एक शराब की दुकान पर हुई। उक्त मजदूर दुकान पर शराब खरीदने गया था। शराब लेने के बाद उसने पैसे दिए, जिसमें पांच रुपए कम पड़ गए।

# शाह ने कमलनाथ को करप्शननाथ, दिग्विजय को बंटाधार कहा

## इंदौर में बोले- कांग्रेस ने धारा 370 को बच्चे की तरह पाला, मालवा से किया चुनावी शंखनाद

**इंदौर।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मध्यप्रदेश में मालवा से बीजेपी के चुनावी अभियान का आगाज कर दिया है। उन्होंने रविवार को इंदौर में बीजेपी के विजय संकल्प कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया। शाह ने कार्यकर्ताओं को 2023 और 2024 के चुनावी जीत का संकल्प दिलाया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस और विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा। शाह ने पूर्व सीएम कमलनाथ को करप्शन नाथ और दिग्विजय सिंह को श्रीमान बंटाधार कहकर संबोधित किया।

इंदौर में विधानसभा नंबर दो स्थित कनकेश्वरी गरबा मैदान पर आयोजित संभाग के बूथ लेवल कार्यकर्ता सम्मेलन में शाह ने कहा कि अनुच्छेद 370 को कांग्रेस ने बच्चे की तरह सालों तक पाल रखा था। पीएम मोदी ने अनुच्छेद 370 खत्म कर कश्मीर को भारत से जोड़ने का काम किया है। मोदी सरकार आने पर पाकिस्तान के घर में घुसकर आतंकियों की धज्जियां उड़ाने का काम हमारी सेना ने किया है।

### मोदी ने पूरी दुनिया में भारत का झंडा किया बुलंद : शाह

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने देवी अहिल्या को प्रणाम कर अपने संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि देवी अहिल्या बाई ने गुलामी के अवशेष को मिटाने की पहल की थी। जिसे हमारे नेता पीएम मोदी आगे बढ़ा रहे है। पीएम मोदी ने पूरी दुनिया में भारत का झंडा बुलंद करने का काम किया है। वे कहीं भी जाए लोग मोदी-मोदी के नारे लगाते हैं। ये नारे मोदी के लिए नहीं, बीजेपी के लिए नहीं, बल्कि भारत की एक सौ तीस करोड़ जनता के सम्मान में नारे लग रहे हैं।

### कांग्रेस ने राम मंदिर का काम लटका रखा था : शाह

अमित शाह ने विपक्षी एकता पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि ये लोग अनुच्छेद 370 खत्म खरने का विरोध करते थे। ये नाम बदले तो भी कोई इन्हें वोट देगा क्या? अयोध्या में राम लला टेंट में विराजमान थे। कांग्रेस मंदिर के काम को लटका रही थी। कोर्ट के फैसले के बाद मोदी जी ने राम मंदिर का भूमि पूजन कर दिया। अहिल्या बाई होलकर के बाद धार्मिक स्थलों का कायाकल्प करने का काम पीएम मोदी ने किया है।

### कमलनाथ ने जनकल्याण की योजनाएं बंद कर दी थी : शाह

शाह ने कमलनाथ को करप्शन नाथ और दिग्विजय सिंह को बंटाधार कहकर तंज कसा। उन्होंने कहा कि कमलनाथ की सरकार डेढ़ साल चली। हमारे शिवराज सिंह ने जो योजनाएं शुरू की थी, उन्हें कमलनाथ ने बंद कर दी थी। योजनाओं का पैसा खाने के लिए उन्हें बद कर दिया। देश के गृह मंत्री ने

# सुप्रीम कोर्ट ने सेना में अनुशासन को सर्वोच्च बताया

## ज्यादा छुट्टी के चलते जवान बर्खास्त, कोर्ट बोला- सही दस्तावेज पेश नहीं कर पाया

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने सेना में अनुशासन को सबसे जरूरी बताया है। कोर्ट ने ये बात एक जवान की याचिका को खारिज करते हुए कही। इस जवान को जरूरत से ज्यादा छुट्टी लेने पर सेना से निकाल दिया गया था। कोर्ट ने कहा- जवान ने सेना के अनुशासन को तोड़ा है। जवान को पहले 39 दिन और फिर 30 दिन की छुट्टी दी गई थी। इसके बाद भी जवान ने जॉइन नहीं किया। इसके बाद सेना ने कार्रवाई करते हुए उसे बर्खास्त कर दिया।

4 जनवरी 1983 को एक व्यक्ति की सेना में ट्रांसपोर्ट ड्राइवर के पद पर भर्ती हुई। इस ड्राइवर ने 1998 में 8 नवंबर से लेकर 16 दिसंबर तक 39 दिन की छुट्टी ली। घर की परिस्थितियां ठीक न होने पर उन्होंने 17 दिसंबर से 15 जनवरी 1999 तक 30 दिन की और छुट्टी ले ली। इसके बाद भी उसने जॉइन नहीं किया। 15 फरवरी 1999 को जवान पर आर्मी एक्ट (सेक्शन 106) के तहत कोर्ट ऑफ इंक्वायरी हुई, जिसमें उन्हें दोषी पाया और उनका कोर्ट मार्शल हो गया। इसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। सैनिक ने कहा कि उनकी पत्नी की तबीयत ज्यादा खराब थी, जिस वजह से उन्होंने ज्यादा छुट्टी ली। जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस राजेश बंसल ने उन्हें मेडिकल रिपोर्ट दिखाने को कहा तो उनके पास कोई भी ऐसा डॉक्यूमेंट नहीं था, जिससे ये पता लग सके कि उसकी पत्नी गंभीर रूप से बीमार थी और पति की जरूरत थी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने सबूतों के अभाव में जवान की अपील खारिज कर दी।

# वायुसेना ने लड़ाकू विमान तेजस को कश्मीर भेजा

**घाटी में उड़ाने की प्रैक्टिस कर रहे पायलट, यह इलाका चीन-पाकिस्तान बॉर्डर के चलते संवेदनशील**

**श्रीनगर।** *भारतीय वायु सेना (IAF) ने जम्मू-कश्मीर के अवंतीपोरा एयरबेस पर हल्के लड़ाकू विमान तेजस MK-1 को तैनात किया है। सेना का कहना है कि उसके पायलट्स घाटी में उड़ान का अनुभव ले रहे हैं। कश्मीर, पड़ोसी देशों चीन-पाकिस्तान के लिहाज से संवेदनशील है। तेजस MK-1 मल्टीरोल हल्का लड़ाकू विमान है जो वायुसेना को कश्मीर के जंगल और पहाड़ी इलाकों में और मजबूत करेगा। भारतीय वायु सेना तेजस की कैपेबिलटीज बढ़ाने की पुरजोर समर्थन कर रही है। वायु सेना ने पहले ही अपने दो स्क्वाड्रनों को इसके इनीशियल और फाइनल ऑपरेशन की मंजूरी दे दी है। वहीं 83 मार्क1A के लिए एक कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है। ये सभी 83 विमान एक या दो साल में सेना को मिल जाएंगे। हालांकि सेना की नजर DRDO में डेवलप किए जा रहे LCA मार्क-2 और एडवांस्टड मल्टीरोल कॉम्बैट एयरक्राफ्ट AMCA पर भी है। ये लड़ाकू विमान पहले से ही पाकिस्तानी और चीनी JF-17 फाइटर जेट की तुलना में कहीं ज्यादा ताकतवर हैं। इसमें हैमर जुड़ने से यह विमान और ज्यादा हाईक्लास हो गया है। पिछले पांच दशक में 400 से ज्यादा स्क्वड-21 विमान क्रैश होने की वजह से भारत सरकार इसे रिप्लेस करना चाह रही थी। तेजस, MiG-21 की जगह लेने में कामयाब हुआ।*

# कश्मीर-लद्दाख को जोड़ने वाली जोजिला टनल का 40 प्रतिशत काम पूरा

## डेडलाइन चार साल बढ़ाई, 4 घंटे का रास्ता 15 मिनट में तय होगा

**नई दिल्ली।** कश्मीर घाटी और लद्दाख को जोड़ने वाली जोजिला टनल की डेडलाइन बढ़ा दी गई है। इलाके में बार-बार बदलते मौसम के चलते नई डेडलाइन अब दिसंबर 2030 कर दी गई है। हालांकि, टनल का काम 40 प्रतिशत तो पूरा हो गया है। यह टनल एशिया की सबसे लंबी और ऊंचाई पर बनने वाली टनल है। टनल 4 घंटे के रास्ते को महज 15 से 20 मिनट का बना देगी। टनल की टोटल लंबाई 13 किलोमीटर है, जिसमें दोनों तरफ से 3-3 किलोमीटर (कुल 6 किमी) की खुदाई की जा चुकी है।

### खराब मौसम के कारण डेडलाइन बढ़ी

बॉर्डर रोड आर्गनाइजेशन (BRO) के अधिकारी कैप्टन आईके सिंह ने बताया कि इस इलाके में हिमस्खलन की घटनाएं होती रहती हैं। इसके चलते काम को बारा-बार रोकना पड़ता है। जोजिला टनल का काम दिसंबर 2026 में पूरा होना था। लेकिन बार बार बदलते मौसम के चलते डेडलाइन बढ़ाकर दिसंबर 2030 की गई है।

### ऑस्ट्रियन ट्युनलिंग मेथड से बनाई जा रही

यह प्रोजेक्ट 11,678 फीट की ऊंचाई पर हो तैयार हो रहा है। NH-1 श्रीनगर-कारगिल-लेह नेशनल हाईवे आर्मी के लिए खास महत्व रखता है। ये हाईवे ठंड के मौसम में भारी बर्फबारी के चलते लद्दाख को कश्मीर सहित पूरे देश डिसकनेक्ट कर देता है। टनल बनने से हर मौसम में लद्दाख से कनेक्टिविटी बनी रहेगी।

# कुलगाम में आतंकियों ने सेना के जवान को अगवा किया

## कार में मिले खून के निशान, लेह में पोस्टिंग थी, ईद पर घर आया था

**कुलगाम।** जम्मू कश्मीर के कुलगाम जिले में ईद पर अपने घर आए सेना के जवान का किडनैप हो गया है। जवान के परिवारवालों ने दावा किया है कि वह शनिवार रात से लापता हैं। उधर, लापता जवान की तलाश के लिए सेना और पुलिस ने संयुक्त अभियान शुरू कर दिया है। सेना को सर्च ऑपरेशन के दौरान जवान की कार में उनकी चप्पलें और खून के धब्बे मिले हैं। इस घटना के बाद पूरे इलाके में नाकेबांदी कर दी गई है। मीडिया रिपोर्ट्स हैं कि जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में ईद की छुट्टी पर घर आए 25 वर्षीय सैनिक जावेद अहमद वानी का उसके वाहन से अपहरण कर लिया गया।

### सर्च ऑपरेशन शुरू

अपहृत सैनिक का पता लगाने के लिए भारतीय सेना और पुलिस द्वारा बड़े पैमाने पर तलाशी और घेराबंदी अभियान शुरू किया गया है। इलाके में नाकाबंदी कर दी है। परिवार का कहना है कि जावेद शनिवार शाम किराने का सामान खरीदने के लिए अपनी कार चलाकर चौवलगाम गए थे।

### कार में मिले खून धब्बे

परिवार का कहना है कि जब वह घर नहीं लौटे तो हमने आसपास के इलाकों और आसपास के गांवों में उनकी तलाश शुरू की। तलाशी अभियान के दौरान परानहाल गांव में उनकी कार में एक जोड़ी चप्पल और खून के धब्बे मिले हैं। गाडी अनलॉक थी।

# निर्मला कान्वेट स्कूल प्रबंधन की मनमर्जी से स्कूली बच्चे बारिश भींगने को मजबूर, पालकों को बच्चों के बीमार होने का भय

**सिरोंज।** नवीन बस स्टैंड स्थित निर्मला कान्वेंट स्कूल प्रबंधन की मनमर्जी से स्कूली बच्चे काफी परेशान है मालूम हो कि बारिश के मौसम में बारिश होने के दौरान भी स्कूल प्रंबधन बच्चों को स्कूल से बाहर कर देता है। इसी तरह का एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें स्कूल प्रबंधन ने पानी गिरते हुऐ बच्चों को कैंपस से भर कर दिया है जिससे बच्चे पूरी तरह पानी में भींग गये और उनके स्कूल बैग भी पूरी तरह से भींग गये जिससे पालक काफी परेशान है। कई पालकों ने बताया कि बारिश में बच्चों के भींगने से उनके बीमार होने का भय लगा हुआ है और बैग भींगने से किताबे काफी पूरी तरह से भींग चुकी है जिससे आर्थिक रूप से नुकसान हो रहा है।

### इनका कहना है

स्कूल प्रबंधन द्वारा लापरवाही पूर्वक बच्चों की बारिश होने के बाबजूद छोटे बच्चों की छुट्टी कर दी जिससे बच्चै बीमार हो गयें और हजारो रूपये का कोर्स भींग गया , हारून बेग, जिलाध्यक्ष बुनकर प्रकोष्ठ विदिशा।

## गोखले की अध्यक्षता में पर्यटन परियोजना की बैठक संपन्न

सीधी। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड भोपाल के निर्देशानुसार इन्द्रवती लोक ग्राम बकवा में जिला पर्यटन प्रभारी गोखले की अध्यक्षता में सामान्य बैठक बुलाई गई जहां जिला पर्यटन प्रभारी एसडीएम मझौली श्रेयश गोखले, इन्द्रवती नाट्य समिति सीधी के निदेशक नीरज कुंदेर व रोशनी प्रसाद मिश्र सहित ग्राम पंचायत बकवा सरपंच प्रेमबती यादव, अप्रत्यक्ष सरपंच शिवविजय यादव, भूतपूर्व सरपंच रावेंद्र सिंह रामसत्य यादव रोजगार सहायक एवं जनजातीय समाज सहित अन्य समाज के हितग्राही व ग्रामीण उपस्थित रहे ।बैठक में मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड भोपाल की शर्त अनुसार आठ जनजातियों एवं दो अन्य जातियों को होम स्टे के लिए सब्सिडी देने का निर्णय लिया गया।

# विधायक के कार्यक्रम में गिरा पंड़ाल आदिवासी बैगा की हुई मौत, परिजनों ने मचाया बवाल

## कार्यक्रम के दौरान हुआ हादसा विधायक के संबोधन के दौरान हुई घटना, लोगों में आक्रोश

**सीधी।** भाजपा के लिए यह लगातार नकारात्मक खबरे आ रही है, फिर आदिवासी क्षेत्र में सीधी विधायक केदारनाथ शुक्ला का कार्यक्रम होना था इसी दौरान पंडाल गिरने के कारण एक आदिवासी बैगा समाज की मौत हो गई। घटना को लेकर पोस्टमार्टम के दौरान परिजनों ने बवाल मचाया। काफी संख्या में लोग एकत्रित हुए सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गई। विधायक को लेकर भी लोगो में आक्रोश कम नहीं रहा कही न कहीं गरीबों को बुलाया जाता है लेकिन जब व्यवस्था सही नहीं रहती तो पंडाल गिरने जैसी घटनाएं न होती। इसमें जिम्मेदारों पर भी कार्यवाही होनी चाहिए। मौत के जिम्मेदार कौन हैं यह भी ध्यान देने की जरूरत है।

भाजपा का विकास पर्व यात्रा शासकीय कार्यक्रम सीधी विधानसभा अंतर्गत गांधीग्राम में विधायक के संबोधन के दौरान पंडाल टेंट गिर जाने से आदिवासी बैगा की मृत्यु हो गई जैसे ही इसकी जानकारी शहर में आग की तरह फैली सभी विपक्षी पार्टियां सांत्वना देने के लिए उमड पड़ी एवं भाजपा सरकार पर कटाक्ष करते हुए किसी भी पदाधिकारी मृतक के परिवारजनों से ना मिलना, भाजपा के दिखावे की राजनीति उजागर करने का आरोप लगाया। सुबह होते ही मृतक के परिवार जन एवं ग्रामीण इतने आक्रोशित आरोप लगाते हुए कहा कि हम लोग विधायक के कार्यक्रम में थे परंतु इस तरह की घटना होने के बावजूद भी मिलना उचित नहीं समझा। तब आनन-फानन में मृतक का पोस्टमार्टम कराकर शव गृह ग्राम ले जाने के लिए पूरा प्रशासनिक अमला लगातार आश्वासन परिजनों को विधायक के गांव आने की सूचना देता रहा तब परिजनों ने बात मानते हुए शव को अंतिम संस्कार हेतु गांव लाया गया।

ग्रामीणजन एवं परिजन विधायक

### मामले में पुलिस को खूब बहाना पड़ा पसीना

पूरे घटना को लेकर लोगों में काफी आक्रोश रहा, यहां तक कि कलेक्टर साकेत मालवीय को भी हस्तक्षेप करने आना पड़ा। पुलिस के अधिकारी भी मौजूद थे। इसके बाद भी परिजन अड़े रहे कि हमें सहायता राशि चहिए। सहायता राशि की बात भी की गई इसके बाद भी परिजनों का आक्रोश कम नहीं रहा। आरोप है कि आखिर जब व्यवस्थाएं होती हैं तो फिर इस तरह की घटनाएं क्यों होती हैं। काफी समझाइस के बाद किसी तरह मृतक के परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार करने हेतु गांव ले गए। वहीं कलेक्टर के साथ पूरा प्रशासनिक अमला आकर मान मनौबल करता रहा साथ ही आर्थिक सहायता के रूप में 4 लाख रूपए एवं परिवार में किसी एक को संविदा नौकरी देने का आश्वासन देने के बाद परिवारजन किसी तरह मानें।

### मृतक के परिजनों को तत्कालीन 10 हजार रूपए की सहायता राशि दी गई है : कलेक्टर

कलेक्टर सीधी साकेत मालवीय ने कहा कि पूरे घटना को लेकर मैं मौके पर पहुंचा था। परिजनों को तत्काल 10 हजार रूपए की सहायता राशि मुहैया कराई गई है शेष जो भी सहायता राशि होगी उसके लिए पहल की जाएगी। उन्होने कहा कि हमारा हर पीड़ित लोगों से सदैव पीड़ा रहती है, घटनाए हो जाती हैं इसके लिए कोई दोषी नहीं है।

### मृतक के परिजनों को 20 लाख रूपए एवं एक सरकारी नौकरी दे सरकार -दान बहादुर

नगर पालिका परिषद सीधी के उपाध्यक्ष एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दान बहादुर सिंह ने इस घटना की निंदा करते हुए कहा है कि कुछ माह पूर्व केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की सभा से वापस लौट रहे लोग बस दुर्घटना का शिकार मोहनिया टनल हुए थे जिन्हे सरकार द्वारा 10-10 लाख रूपए की आर्थिक सहायता मुहैया कराई गई थी अब विधायक के पंडाल में टेंड पंडाल गिरने से आदिवासी की मौत हुई है जिस पर आर्थिक सहायता के साथ मृतक के परिजनों को सरकारी नौकरी की मांग की गई है।

# अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस पर युवाओं ने आयोजित की प्रतियोगिता प्रतिभागियों को मेडल देकर किया सम्मानित

**उमरिया।** अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस के उपलक्ष्य पर जिले की सक्रिय युवाओं की टोली युवा टीम उमरिया के द्वारा अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस पर बिरसिंहपुर पाली में चित्रकला प्रतियोगिता व मिट्टी से बाघ बनाकर बाघ संरक्षण का दिया संदेश। प्रतिभागियों ने चित्र के माध्यम से बाघों का महत्व समझाने का प्रयास किया।

टीम लीडर हिमांशु तिवारी ने उपस्थित सभी प्रतिभागियों को आयोजन के दौरान बताया की बात हमारे लिए कितने महत्वपूर्ण हैं। बच्चों को यही बताया गया कि प्रकृति ने जैव विविधता कि जो रचना की है वह बेहद महत्वपूर्ण है

और हमें विवेक का उपयोग करते हुए इस विधि वक्ता को बनाए रखने की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि बाघों के होने का अर्थ है कि जंगल अच्छे हैं और अच्छे जंगल संतुलित पर्यावरण का प्रतीक होते हैं। आइये, हम सभी 'अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस' पर बाघों के संरक्षण-संवर्धन में सहयोग का संकल्प लें। प्रतियोगिता में भाग लिए हो प्रतिभागियों को समापन में मेडल देकर सम्मानित भी किया गया। इस दौरान हिमांशु तिवारी,खुशी सेन,अमृता सिंह,दीपू सेन,राहुल सिंह, लकी यादव,सत्यम सेन,आनंद विश्वकर्मा, कौशल बर्मन, लव बर्मन, कुश बर्मन,निखिल सिंह राठौर,शंकर बैगा,सुमित सेन,एवं सभी उपस्थित रहे।

# मुकेश हार्डवेयर की चार अलग-अलग दुकानों में शुक्रवार दोपहर एंटी एवीजन व्यूरो की छापेमारी कार्यवाही

**सीधी।** शहर के मुकेश हार्डवेयर की चार अलग-अलग दुकानों में शुक्रवार दोपहर एंटी एवीजन व्यूरो द्वारा छापामार कार्रवाई शुरू की गई थी। दुकान में सामान व लेखा-जोखा का कार्य अधिक होने के चलते शनिवार को भी देर रात तक यह कार्रवाई जारी रही। कार्रवाई के संबंध में टीम प्रभारी दीप खरे संयुक्त आयुक्त से जब जानकारी चाही गई तो उन्होने बताया कि मुकेश हार्डवेयर की कुल चार फर्में शहर में संचालित है।

जिनमें से तीन में शुक्रवार से ही जांच शुरू कर दी गई थी जबकि एक दुकान को बंद करा दिया गया था। शनिवार को उक्त दुकान के भी दस्तावेज एकत्रित किये गए है। लंबे समय से हेरफेर की आशंका के चलते सभी दुकानों का स्टाक पंजी मिलान कराया जा रहा है। उन्होने बताया कि दुकान में मौजूद सामग्रियों के साथ-

साथ गोदाम में रखी सामग्री का भी मिलान किया जा रहा है। ऐसे में उक्त कार्रवाई पूर्ण होने में लगभग अभी दो दिन का समय और लग सकता है।

श्री खरे ने बताया कि शनिवार व रविवार होने के चलते बैंक से दस्तावेजों के जानकारी नही उपलब्ध पाई है इसलिए सोमवार को बैंक खुलने के बाद लेजर की जानकारी एकत्रित करने के बाद ही इसका खुलाशा किया जा सकता है। बता दें कि शहर के पालिका बाजार सहित अमहा में संचालित मुकेश हार्डवेयर की कुल चार फर्में चल रही है। जिसमें कर चोरी की शिकायत पर शुक्रवार को सतना की एंटी एवीजन व्यूरो की टीम द्वारा छापामार कार्रवाई शुरू की गई थी। फर्म बड़ी होने के चलते एवं एक-एक पहलू पर गहनता से जांच करने के चलते टीम को अभी दो दिन का वक्त और लग सकता है। इस टीम में 20 अधिकारी-कर्मचारी शामिल है।

### इनका कहना-

स्टाक का लेखा-जोखा तैयार किया जा रहा है, दो दिन अवकाश होने के चलते बैंक से जानकारी नही मिल पा रही है इसलिए कार्यवाही पूर्ण होने में सोमवार तक का वक्त लग सकता है।

दीप खरे संयुक्त आयुक्त
एंटी एवीजन व्यूरो।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : बुधवार 02 अगस्त 2023

## रिलीज हुआ आयुष्मान खुराना की 'ड्रीम गर्ल 2' का ट्रेलर, चार साल बाद हुई 'पूजा' की वापसी

**आयुष्मान** खुराना की आगामी फिल्म ड्रीम गर्ल 2 चर्चा में बनी हुई है। पिछले कुछ दिनों से मेकर्स फिल्म से जुड़ी अपडेट दे रहे हैं। हाल ही में फिल्म का टीजर रिलीज किया गया था। वहीं, अब ड्रीम गर्ल 2 का ट्रेलर जारी कर दिया गया है। आयुष्मान खुराना की ये फिल्म 2 साल 2019 में आई ड्रीम गर्ल का सीक्वल है, जो बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी। ऐसे में ड्रीम गर्ल 2 से भी दर्शकों को उम्मीदें है। अब फिल्म का ट्रेलर रिलीज होने का साथ ही फिल्म की कहानी से पर्दा उठ गया है। आयुष्मान खुराना ने ड्रीम गर्ल 2 के ट्रेलर रिलीज से पहले फिल्म का नया पोस्टर जारी किया था, इसके साथ उन्होंने अपना लुक भी रिवील किया। फिल्म के इस पोस्टर में एक्टर रेड कलर का लंहगा- चोली पहने दिख रहे हैं और एक कार की बोनट पर खड़े हैं। उनके पीछे अलग- अलग उम्र के मर्दों की लाइन लगी हुई है, जो उनके चाहने वाले हैं। आयुष्मान खुराना ने ड्रीम गर्ल 2 के नए पोस्टर के साथ एक मजेदार कैप्शन लिखा। एक्टर ने कहा, ''ट्रैफिक जाम होने वाला है, क्योंकि ड्रीम गर्ल पूजा आने वाली है। आज ट्रेलर रिलीज होगा। फिल्म 25 अगस्त को थिएटर्स में रिलीज होगी।'' ड्रीम गर्ल 2 में आयुष्मान खुराना के साथ परेश रावल, असरानी और अनु कपूर जैसे मंझे हुए कलाकार भी नजर आएंगे। इनके अलावा फिल्म में राजपाल यादव, अभिषेक बनर्जी, विजय राज, मनजोत सिंह और मनोज जोशी भी शामिल हैं। आयुष्मान खुराना की फिल्म साल 2022 से चर्चा में बनी हुई है।

# अक्षय कुमार का तांडव देखने के लिए हो जाइए तैयार, रिलीज होगा ओएमजी 2 का धमाकेदार ट्रेलर

**तमाम** मुश्किलों के बाद आखिरकार ओह माय गॉड 2 रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म के सर्टिफिकेशन को लेकर थोड़ी प्रॉब्लम थी, जो अब क्लियर हो चुकी है। हाल ही में, अक्षय कुमार ने फिल्म के ट्रेलर को लेकर एक बड़ी जानकारी फैंस के साथ शेयर की है। ओह माय गॉड का सीक्वल ओएमजी 2 का ट्रेलर कल यानी 2 अगस्त 2023 को रिलीज किया जाएगा। अक्षय कुमार ने सोशल मीडिया पर ओएमजी 2 का वीडियो शेयर किया है। क्लिप में अक्षय कहते हैं- रख विश्वास, तू है शिव का दास। इसके अलावा अक्षय तांडव करते हुए भी दिखाई दे रहे हैं। भगवान शिव के अवतार में अक्षय कुमार बहुत शानदार लग रहे हैं।

क्लिप को शेयर करते हुए अक्षय कुमार ने कैप्शन में लिखा, ''विश्वास रखने के लिए आभार। कल रिलीज होगा ओएमजी 2 का ट्रेलर।'' अक्षय के इस पोस्ट पर फैंस फिल्म को पहले से ही ब्लॉकबस्टर बता रहे हैं। कुछ तो यहां तक कह रहे हैं कि वह फर्स्ट डे फर्स्ट शो देखने वाले हैं। प्रभास स्टारर आदिपुरुष के विवाद के बाद सेंसर बोर्ड काफी सतर्कता बरत रही है और इसीलिए ओएमजी 2 को सर्टिफिकेट देने में सेंसर बोर्ड ने मेकर्स के सामने कई शर्तें रखी थीं। कहा जा रहा था कि मेकर्स कुछ कट्स से सहमत नहीं थे। फिल्म की रिलीज डेट आगे बढ़ाने की भी खबरें सामने आ रही थीं। खैर, अब आखिरकार मूवी को अ सर्टिफिकेट मिल गया है।

अक्षय कुमार स्टारर ओएमजी 2 दस दिनों में सिनेमाघरों में दस्तक दे रही है। दिलचस्प बात ये है कि 11 अगस्त को ओएमजी 2 के साथ सनी देओल की मच अवेटेड फिल्म गदर 2 भी रिलीज हो रही है। फिल्मों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिलेगी। ओएमजी 2 का रनिंग टाइम टोटल 2 घंटे 36 मिनट का है। अक्षय कुमार के साथ लीड रोल में यामी गौतम और पंकज त्रिपाठी हैं। फिल्म में पंकज भगवान शिव के परम भक्त के रूप में दिखेंगे, जबकि यामी वकील का किरदार निभाती दिखेंगी। फिल्म का निर्देशन अमित राय ने किया है।

## जब तापसी को कहा जाने लगा था अशुभ, एक्ट्रेस ने खुद बयां किया था दर्द

**पिंक,** बदला, हसीन दिलरुबा जैसी बेहतरीन फिल्में बनाने वाली तापसी पन्नू आज अपना बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं. तापसी ने साउथ फिल्म इंडस्ट्री से अपने करियर की शुरूआत की थी. उन्होंने अपनी मेहनत के दम पर इंडस्ट्री में ये मुकाम हासिल किया है. हालांकि एक समय ऐसा भी था जब उन्हें अशुभ बुलाया जाने लगा था. तापसी एजुकेशन के मामले में बॉलीवुड की कई एक्ट्रेसेस से काफी आगे हैं. उन्होंने गुरु तेग बहादुर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की, जिसके बाद उन्होंने एक फर्म में बतौर सॉफ्टवेयर इंजीनियर जॉब की. यहां उन्होंने कई ऐप भी डेवलप किए. यहीं से उन्हें मॉडलिंग के ऑफर आने लगे जिसके बाद उन्हें एक्टिंग करने का चांस भी मिल गया. हालांकि ये सफर उनके लिए आसान नहीं था. लगातार फ्लॉप फिल्मों का उनके करियर पर बुरा असर पड़ रहा था. तापसी ने कभी नहीं सोचा था वो एक्ट्रेस बनेंगी. हालांकि जब वो फिल्म इंडस्ट्री में आईं तो उन्हें काफी स्ट्रगल का सामना करना पड़ा. एक समय ऐसा आया जब उन्हें अनलकी कहा जाने लगा. तापसी ने स्क्रॉल को दिए इंटरव्यू में बताया था, 'सभी ने मुझे बदकिस्मत लड़की और अनलकी चार्म कहना शुरू कर दिया क्योंकि तेलुगु में मेरी कुछ फिल्में नहीं चलीं. ईमानदारी से कहूं तो मैं ये नहीं कहूंगी कि इन फिल्मों को साइन करने से पहले मैंने इन फिल्मों के बारे में बहुत सोचा था, क्योंकि उस समय मेरे पास कोई नहीं था.'

तापसी ने इसी बातचीत में आगे बताया, 'मैं नामचीन नामों पर विश्वास कर फिल्में साइन कर रही थी. जो मेरे लिए काम नहीं कर रहा था, क्योंकि मेरा बैकग्राउंड फिल्मी नहीं है इसलिए मैंने अपनी गलतियों से सीखा. मेरे अनुसार जो गलत था वो ये था कि मुझे उन फिल्मों के लिए दोषी ठहराया गया था जिसमें मुझे केवल तीन गाने और पांच सीन करने के लिए दिए गए थे. लेकिन मैं अक्सर सोचती थी कि मैं ही क्यों? इन सब ने मुझे काफी परेशान कर दिया था, लेकिन इससे मुझे समझ आया कि मैं क्या करना चाहती हूं. मैंने फिर किसी की बात नहीं सुनी.'

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव ( पूर्व ),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com .